

हॉकी : लगातार दूसरा ओलंपिक पदक, हॉकी इंडिया लीग एहे सुर्खियों में

एंजेसी नई दिल्ली

पांच दशक बाद लगातार दो ओलंपिक पदक, हॉकी इंडिया लीग की वापसी और महिला टीम के जीत की राह पर लौटने से वर्ष 2024 भारतीय हॉकी के लिए यादादार रहा हालांकि महिला गोलकीपर पी आर श्रीजेश और महिला हॉकी स्टार राणी रामपाल के संयोग के साथ एक दौर का अंत भी हो गया।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर हॉकी मन्त्री सिंह की कासानी वाली भारतीय टीम ने साबित कर दिया कि चूंकियों खेलों में मिला कांसा कोई तुका नहीं था।

पिछले दो दशक से भारतीय हॉकी के सभी मजबूत संघ रहे श्रीजेश को भी इस पदक के साथ खेल से मनवाही विदाई मिली। अब जूनियर हॉकी टीम के कोच नहीं रहे, एक खेल के रूप में वह एक नई भूमिका में नजर

आएंगे। टोक्यो और पेरिस से पहले भारतीय हॉकी टीम ने 1968 मैक्सिको सिटी और 1972 म्यूनिख ओलंपिक में लगातार पदक जीते थे। कोच क्रेग फुलटोन के साथ भारतीय टीम ने अपने रक्षणात्मक ढांचे और जवाबी तरीकों पर अधिक जोर दिया है और इसके नतीजे भी मिले हैं।

ओलंपिक में भारत ने बैंडोफ हॉकी खेलों और दस खिलाड़ियों के साथ खेले हुए क्रार्ड फाइनल में ब्रिटेन को हराया।

फुल बैक अभिनव रोहिंदास का लालाकार्ड मिलने के बाद भारत ने 43 मिटर पर दस खिलाड़ियों के साथ खेलों और शूटआउट में एक बार फिर श्रीजेश के कोचशल ने भारत को लगातार दूसरे ओलंपिक सेमीफाइनल में जगह दिलाई।

आखिरी पूल मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराया और ऑस्ट्रेलिया को 52 साल बाद इस दिग्गज की उम्मीदें जीतनी से करीबी मुकाबले में



हार के बाद टूट गई, लेकिन इस हार के से हराकर कांस्य पदक जीता।

भारतीय हॉकी में कई सितारों का उदय

सात साल बाद हॉकी इंडिया लीग की वापसी

सात साल बाद हॉकी इंडिया लीग की वापसी की घोषणा सोने पे सुधागा रही। इस लीग से युवाओं को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला। इस बार चार टीमों की भारतीय हॉकी लीग भी साथ में होगी।

पुरुषों की लीग 28 दिसंबर से जबकि महिलाओं की 21 नवंबर से खेले जायें।

हुआ, लेकिन अनुभवीत और श्रीजेश का जलवा कायम रहा। दोनों ने टीम की सफलता में सृष्टिकार की भूमिका निभाई।

श्रीजेश जहां गोल के सामने भारत की दीवार साबित हुए वहां कप्तान हरमनप्रीत ने दस गोल दागे, जिसके दम पर उन्हें उसी बार एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार भी मिला।

रानी ने 14 वर्ष के सुनहरे करियर पर विराम लगाया

ट्रॉफी में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर ही भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने भी 14 वर्ष के सुनहरे करियर पर विराम लगाया। हरियाणा के शहबाद से निकलकर हॉकी की बुर्जालियों को छूने वाली गरी अब जूनियर और महिला लीग में कोच के रूप में अपनी सेवाएं देंगी।

टीम से बाहर होने पर टूट चुके हैं नाथन मैकस्वीनी

मेलबोर्न। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी ने स्वीकार किया कि वह भारत के खिलाफ बॉर्ड-गाव्सकर ट्रॉफी के आखिरी दो टेस्ट में जगह नहीं मिलने से टूट चुके हैं। लेकिन उन्होंने कड़ी मैहनत करके दोबारा टीम में जगह बनाने का वादा

बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास कर रहा हूं इसलिए हालात को समझ गया हूं। नेट पर होमवर्क से मुश्त काफी मदद मिली।”

बॉक्सिंग-डे टेस्ट के बारे में उन्होंने कहा, “तीन टेस्ट के बाद 1-1 से बराबरी पर रहना अच्छा है। अगले दो मैच काफी अहम होंगे। अगर हम एक टेस्ट केन्द्र तरह से जीत जाते हैं तो ट्रॉफी हासी पास होगी क्योंकि पिछली दो बार हमने जीती हैं।” ब्रिस्बेन टेस्ट के बाद आप स्पिनर रविंद्रन अश्विन ने अचानक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से बिद लेकर सभी को चौका दिया। जडेजा ने इस बारे में उन्होंने कहा, “उम्मीद है कि इस टेस्ट में शीर्षक्रम और मध्यक्रम अच्छे रन बनाएंगा। हमें शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की जरूरत है। अगर बल्लेबाजों में सभी योगदान देंगे तो टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा।”

पहले दो टेस्ट से बाहर हो जडेजा को ब्रिस्बेन में मौका दिया गया था। जडेजा ने कहा कि पहले दो टेस्ट से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खेल के लिए उन्होंने रहने से बाहर हो जाना चाहिए।

अश्विन के अपना मैटोर मानने वाले जडेजा ने कहा, “वह मैदान पर मेरे मैटोर की तरह रहा। हम इन्हें साल से गेंदबाजी साझाकर से रुपूप देते रहते हैं। मुझे उसकी कमी खलेगी।”

मैकस्वीनी ने कहा, “क्रिकेट में ऐसा ही है। मौका मिलने पर अच्छा नहीं खेलते हैं तो आपकी जगह सुरक्षित नहीं है। मैं चुक गया लेकिन अब फिर मैहनत करके टीम में दोबारा जगह बनाऊंगा।”

25 वर्ष के मैकस्वीनी ने पर्याप्त में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया लेकिन उसके लिए एक दूसरे दो टेस्ट क्रिकेट में उनका स्कोर 10, 0, 39, नावाद 10, 9 और 4 रहा। उन्हें सीरीज में चार बार भारतीय टेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आउट किया।

मैकस्वीनी ने कहा, “क्रिकेट में ऐसा ही है। मौका मिलने पर अच्छा नहीं खेलते हैं तो आपकी जगह सुरक्षित नहीं है। मैं चुक गया लेकिन अब फिर मैहनत करके टीम में दोबारा जगह बनाऊंगा।”



पहले दो टेस्ट से बाहर हो जडेजा (84) को छोड़कर भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

बाहर होने से उन्हें हालात के अनुकूल बदलने और गाबा टेस्ट की तैयारी का समय मिल गया। उन्होंने कहा, “मुझे यहां के हालात के अनुकूल खुद को ढालने के लिए काफी समय मिला मैं संदेश देते रहते थे। मुझे उसकी कमी खलेगी।”

सचिन तेंदुलकर ने गांव की बच्ची के गेंदबाजी एक्शन की तारीफ की, जहार भी हुए कायल

एंजेसी, नई दिल्ली

भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार विश्व कप ने जीतने में राहफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगिताओं में शामिल है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल सघ (एनआरएएस) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सक्ते के अंत में विश्व कप का फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश की तीसरी शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का दूर्नीमेंट होगा, जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतियोगिता में शामिल हो जाएगी।

उन्होंने कहा, “हमें तब इसका अहसास हुआ था, लैंकिंग अब आधिकारिक पूर्ण हो गई है तो हम अपना चूका देते हैं।”

एनआरएएस के लिए एक दूर्नीमेंट की तैयारी करते हुए वह जडेजा को लैंकिंग के लिए एक साथी खेल की तैयारी करता है।

एनआरएएस एक साथी खेल की तैयारी करते हुए जडेजा को लैंकिंग के लिए एक साथी खेल की तैयारी करता है।

भारतीय टीम 69वें जबकि मालदीव की टीम



तुम्हे भी लगता है।”

जवाब में जहार ने लिखा, “शनिवार के लिए बिल्कुल। मैं भी सहमत हूं।

इसका एक्शन इतना प्रभावी और इसके साथ जगत से गेंदबाजी साझाकर से रुपूप होने वाला है।”

यह दोनों में बेंगलुरु के पादुकोण द्रविड़ खेल

उक्तकों के लिए जगह नहीं मिलती है।

विश्व की सर्वोच्च फुटबॉल संस्था की

मैत्री अक्तूबर में सफ महिला चैंपियनशिप में नेपाल से

जानदार है। काफी प्रतिभावान लग रही है।”

राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के छोटे से गांव रामेर तालाब परिलिया की रहने वाली 12 वर्ष की सुरीला डब्बी कक्षा की छात्रा है और क्रिकेट की शौकीन है। उनका गेंदबाजी एक्शन एक दूसरा तालाब में जानकारी एक्शन देता है। तेंदुलकर और जहार के बीच सोशल मीडिया की इस बात चीत पर अब तक लाखों व्यूज आ चुके हैं और कारपोरेट जगत से सुशांता की ट्रीनिंग के लिए मदद कर रहे हैं।

भारतीय टीम 31 दिसंबर से

टिकटॉक चैंपियनशिप

जमा किया गय